दुनियां में मनुष्यों की महिमा भी गाते हैं। अखबार में डालते हैं। पूछते हैं दुनियां में सबसे साहुकार कौन है? वा उंच ते उंच पोजीशन इस समय किसकी है?इस समय तो सबसे जास्ती पोजीशन कहेंगे प्रेजीडेंट वा किंग की है। साहुकार में साहुकार कहेंगे बिरला या और कोई नाम लेंगे। तुमसे पूछे तो तुम कहेंगे हमारे जैसा उंच ते उंच कोई भी नहीं हो सकता। तुम सारे विश्व की रुहानी सेवा करते हो। विश्व को तुम हेविन बनाती हो। तुम जानते हो हम उंच ते उंच बाप से वर्सा ले रहे हो। तो खुशी होनी चाहिए ना। अक्सर करके धन की खुशी होती है। तुमको भविष्य 21जन्म लिए स्वर्ग का मालिक बनने की खुशी है। तुममे भी नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार अब ग्वालियर में प्रदर्शनी कर रहे हैं। सर्विसेबुल जो होंगे वो फट से जावेंगे। कहेंगे हम जाकर सर्विस करे। जाकर सीखें अनुभव पावें। हुल्लास जो रखते हैं वो ही फिर उंचा पद पा सकते हैं। सर्विस का शौक है तो प्रदर्शनी सर्विस पर भागेंगे। झट बाबा को लिखेंगे हम सर्विस पर जा सकते हैं। ऐसे नहीं कि बाबा को लिखना है फलाने जाओ। बाबा कहते हैं जो आप ही करे सो देवता ,कहने से करे सो मनुष्य, कहने से भी ना करे तो गधा। यहां तुम आये ही हो मनुष्य से देवता बनने। तो (जहां) सुना प्रदर्शनी है भागना चाहिए। अंदर में रहता है ना ऐसे समझाउं ,बाप का परिचय दूं। यह है किसी को विषय वैतरणी नदी से बाहर निकालना। वैश्यालय से शिवालय में ले जाना। यह कितना बड़ा पुण्य का काम है। दान भी सम्भाल का दिया जाता है। पापात्मा को दिया तो वो जाकर पाप करेंगे तो उसका पाप उस पर आ जावेगा। सर्विस का बहुत शौक हो तब उंच पद पा सके। शरीर निर्वाह लिए भी करना है। फिर भी जितना हो सके सर्विस में समय देना है। बाप को अविनाशी सर्जन कहा जाता है। आत्मा तमोप्रधान बन गई है। उनको सतोप्रधान बनाते हैं। बाप आत्मा को इंजेक्शन लगा पावन बनाते हैं। इंजेक्शन क्या है? मनमनाभव। बस, यह इंजेक्शन लगानी है। उंच पद पाना है तो सारा मदार है सर्विस पर। पैसे भी क्या करेंगे? विनाश तो होना ही है। पहले लड़ाई लगती थी तो छोटे राजायें, बड़े राजाओं को अपना खजाना भेज देते हैं। फिर वापस मिल जाता है। बाप को कहते हैं बाबा हम तन–मन–धन स्वाहा करते हैं। क्यों? भविष्य 21जन्मों को पाने लिए। समझो हम 21जन्म का उंच प्रारब्ध पावें तो फालो फादर। इसने सब कुछ बाप को दे विश्व की बादशाही ले ली। बाबा को सा. हुआ मैं यह बनता हूं। तो क्यों ना सब कुछ दे देवें। सुदामा का भी मिसाल है। इसलिए उनको भोलानाथ भंडारी कहते हैं। झोली भर देते हैं। महल दे देते हैं। इसलिए भंडारी और भोला नाम रखा है। अमेरिकन लोग बहुत भोले होते हैं। 50रुपये की चीज 100 में ले लेंगे। पुरानी चित्र देवताओं के बहुत लेते हैं। पांच रुपये का चित्र होगा 500 दे देंगे। बहुत भोले होते हैं। कहते हैं गंड का गूड़ा, मत का मूढ़ा कोई ग्राहक मिलाई। तुम बच्चों को तो भोलानाथ बाप मिला है। श्रीमत से तुम ऐसे श्रेष्ठ बनते हो। इसका शौक जिसको रहता है उस पर बाप भी बहुत राजी रहता है। मददगार हैं ना। फादर शोज सन, फिर सन शोज फादर। तुम बच्चे बाप की पहचान देते हो। यह थोड़े ही सबसे मिलेगा। यह कब मिलते नहीं हैं। पूछो किससे मिलना चाहते हो? महात्मा तो कोई यहां है नहीं। यहां बोर्ड में देखो प्रजापिता ब्रह्माकुमारियां, तो बाप हैं ,बच्चे हैं। बाप के साथ तुम क्यों मिलना चाहते हो? समझाना तुमको है बाबा को नहीं मिलना है। बाप तो बच्चों को गोद में ले श्रृंगारेंगे। बाप कहते हैं तुम श्रीमत पर चलने से विश्व के भी मालिक बनते हो। ब्रह्मांड के भी मालिक बनते हो। तो ऐसे बाप के श्रीमत पर चलना चाहिए ना। अपने को फ्री कर भी सर्विस पर भागना चाहिए। हर्जा नहीं है पे(तनख्वाह) नहीं मिली तो। हम बहुतों का कल्याण कराते हैं। जिनको भी समय है वो देहली में प्रदर्शनी कमेटी को नाम भेज दें। बाबा के पास तो समाचार सब आता ही है। बाबा तो नहीं जा सकते हैं ना। यह तो हाइएस्ट अथॉरिटी है ना। उंच ते उंच शिवबाबा। सेकेंड नम्बर में है ब्रह्मा। त्रिमूर्ति ब्रह्मा कहते हैं। त्रिमूर्ति विष्णु वा शंकर नहीं कहते हैं। तो पहले शिवबाबा। फिर ब्रह्मा जिसमें प्रवेश करते हैं। जो फिर उंच ते उंच श्री नारायण बनते हैं। कितनी निर्मानता निरअहंकारपना है। तुम बच्चों के सिवाय इसको कोई जानते ही नहीं हैं। यह है गुप्त। तुम डबल नॉनवायलेंस हो। ना विकार की वायलेंस ना लड़ना–झगड़ना। इसमें भी बड़ी अवस्था चाहिए। नहीं तो माया तूफान में हिला देती है।